

①

Dr. Honey Sinha
Assistant Professor
Depto of Commerce

Sub: (B.O) Business Organisation

B.Com part - 1st

SNSRKS College, Saharsa

≡ Introduction :- Divorce between Management and Ownership in a Company (कम्पनी में प्रबन्ध व स्वामित्व में पृथकता)

व्यवसाय के अन्य स्वरूपों की तुलना में कम्पनी की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इनमें प्रबन्ध व स्वामित्व में भिन्नता पायी जाती है।

शुद्धाधिकार व्यापार एवं साझेदारी में व्यवसाय का स्वामी और प्रबन्धक एक ही व्यक्ति होती है परन्तु कम्पनी में प्रबन्ध व स्वामित्व में अलगव था पृथकता की स्थिति पायी जाती है। कम्पनी के वार्षिक स्वामी उसके अंशदारी होते हैं परन्तु प्रबन्ध व्यवस्था अंशदारी के पास न होकर उन्हें के चुने हुए प्रतिनिधि जिन्हें संचालक के नाम से जाना जाता है के पास होती है। वास्तव में कम्पनी में प्रजातंत्रिक प्रबन्ध व्यवस्था पायी जाती है जिस प्रकार राजनीतिक प्रजातन्त्र में शासन की वागडोर जनता द्वारा चुने गये प्रतिनिधियों के हाथ में होती है उसी प्रकार कम्पनी के प्रबन्ध की वागडोर अंशधारियों द्वारा चुने गये प्रतिनिधियों के हाथ में होती है। इन प्रतिनिधियों को ही व्यापारिक रूप में संचालक (Directors) तथा सामूहिक रूप में संचालक मण्डल (Board of Directors) के नाम से सम्बोधित किया जाता है।

* Meaning and Definition of Director :-

संचालक का आशय एवं परिभाषा :-
वेबस्टर (Webster) शब्दकोष के अनुसार "संचालक का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी नियुक्ति कम्पनी का प्रबन्ध करने के लिए होती है।"

भारतीय कम्पनी अधिनियम की धारा (13) के अनुसार, "संचालकों की स्थिति में रहने वाले कोई व्यक्ति चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाता हो संचालक कहलाता है।" यद्यपि यह परिभाषा अपूर्ण है फिर भी यह स्पष्ट हो जाता है कि संचालक का महत्व व उसके नाम से नहीं बल्कि उसके काम से है। ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जिसके आदेशों के अनुसार कम्पनी का संचालक-मण्डल कार्य करने का आदेश है, कम्पनी संचालको माना जाएगा। कम्पनी के समस्त संचालकों को सामूहिक रूप से संचालक मण्डल (Board of Directors) अथवा शासन समिति (Governing Body) या व्यवस्था से संचालक से समिति (Body) या व्यवस्था से कहते हैं। (Management Committee)

* संचालकों के लक्षण अथवा विशेषताएँ :-
(Characteristics of Directors) :-

संचालकों की उपर्युक्त परिभाषाओं का अध्ययन करने के पश्चात् संचालकों की निम्नलिखित विशेषताएँ प्रकट होती हैं -

संचालक सर्वेव एक व्यक्ति होता है, कोई कृत्रिम

3

Date _____
Page _____

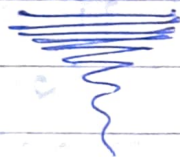
व्यक्ति, ~~वर्म~~ फर्म अथवा अन्य समामेलन संस्था नहीं।

② संचालक को सामूहिक रूप से संचालक मण्डल अथवा मण्डल कहा जाता है।

③ संचालक से आशय संचालक का पद अद्वय किये जाने से है, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारा जाता हो।

④ संचालक के आदेश एवं निर्देश के अनुसार ही संचालक मण्डल कार्य करने का आदि होता है।

⑤ संचालक कि नियुक्ति कम्पनी के सामान्य कार्यों का प्रबन्ध करने के लिए की जाती है।

The end


Dr. Honey Singh
Assistant professor
Dep't of Commerce
SNSRKS College
Saharsa

— x —